

दैनिक समसामयिकी विश्लेषण

समय: 45 मिनट

दिनांक: 15-04-2025

विषय सूची

तेलंगाना अनुसूचित जाति (आरक्षण का युक्तिकरण) अधिनियम 2025

भारत-रूस संबंध: राजनयिक संबंधों के 78 वर्ष

डीएमएफ की दक्षता में सुधार के लिए कार्यक्रम प्रबंधन इकाई

IIGC ने प्रभावशाली सामग्री के लिए व्यापक कोड जारी किया

क्यू-शील्ड महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे की सुरक्षा के लिए उद्यमों को सशक्त बना रहा है

संक्षिप्त समाचार

मोराग एक्सिस

पारंपरिक फसल उत्सव

डब्ल्यूएचओ ने मेनिनजाइटिस पर पहली बार दिशा-निर्देश जारी किए

जीपीएस स्पूफिंग

कुनो पार्क से गांधी सागर में चीतों को स्थानांतरित किया जाएगा

मेथाम्फेटामाइन जब्त

खेलो इंडिया यूथ गेम्स (KIYG) 2025

तेलंगाना अनुसूचित जाति (आरक्षण का युक्तिकरण) अधिनियम 2025

संदर्भ

- तेलंगाना सरकार ने अनुसूचित जातियों को तीन समूहों में वर्गीकृत करने के लिए तेलंगाना अनुसूचित जाति (आरक्षण का युक्तिकरण) अधिनियम 2025 के कार्यान्वयन को अधिसूचित किया है।

परिचय

- सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय के बाद अनुसूचित जातियों के वर्गीकरण को लागू करने वाला तेलंगाना प्रथम राज्य बन गया है।
 - निर्णय में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों को उप-वर्गीकृत करने की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा गया, ताकि इन समुदायों के सबसे हाशिए पर पड़े समूहों को अलग से कोटा प्रदान किया जा सके।
- वर्गीकरण के लिए प्रयुक्त पद्धति:** सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार, SC समुदायों की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार और राजनीतिक स्थिति के अनुभवजन्य आँकड़ों पर विचार किया गया।
 - वर्गीकरण:** राज्य में 59 SC समुदायों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया जाएगा - समूह I, II और III।
 - समूह I:** सबसे पिछड़े के रूप में वर्गीकृत 15 उप-जातियों को 1 प्रतिशत आरक्षण के साथ समूह-I के रूप में वर्गीकृत किया गया है, ये समूह जनसंख्या का केवल 0.5% हिस्सा हैं।
 - समूह II:** कुल 59 में से 18 उप-जातियाँ जिन्हें मामूली लाभ मिला है, उन्हें 9 प्रतिशत आरक्षण के साथ समूह II के तहत रखा गया है।
 - समूह III:** 26 उप-जातियाँ जो 5 प्रतिशत आरक्षण के साथ अवसरों के मामले में समूह III में अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में थीं।

SC/ST आरक्षण के बारे में

- संविधान का अनुच्छेद 341 राष्ट्रपति को ऐतिहासिक अन्याय के आधार पर कुछ 'जातियों, नस्लों या जनजातियों' को अनुसूचित जातियों के रूप में नामित करने का अधिकार प्रदान करता है।
- 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की जनसंख्या में अनुसूचित जाति (SC) लगभग 16.6% और अनुसूचित जनजाति (ST) लगभग 8.6% है।
 - अनुसूचित जाति समूहों को सामूहिक रूप से शिक्षा और सार्वजनिक रोजगार में 15% आरक्षण प्राप्त है।
 - समय के साथ, कुछ अनुसूचित जाति समूहों को दूसरों की तुलना में कम प्रतिनिधित्व मिला है।
 - राज्यों ने इन हाशिए के समूहों को अतिरिक्त सुरक्षा देने का प्रयास किया है, लेकिन ऐसे प्रयासों को न्यायिक जाँच का सामना करना पड़ा है।

संबंधित संवैधानिक प्रावधान

- अनुच्छेद 14:** कानून के समक्ष समानता की गारंटी देता है।
- अनुच्छेद 15 (4):** राज्य को नागरिकों के किसी भी सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग या अनुसूचित जातियों की उन्नति के लिए कोई विशेष प्रावधान करने का अधिकार है।
- अनुच्छेद 16 (4), 16 (4 A) और 16 (4 B):** पदों और सेवाओं में आरक्षण प्रदान करता है।
- अनुच्छेद 335:** सार्वजनिक रोजगार में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के दावों पर विचार करते समय प्रशासनिक दक्षता बनाए रखने का उल्लेख करता है।

पंजाब राज्य बनाम दविंदर सिंह मामले में सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय (2024)

- 2024 के पंजाब राज्य बनाम दविंदर सिंह मामले में, सात न्यायाधीशों की पीठ ने SC/ST श्रेणियों के भीतर उप-वर्गीकरण की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा।
- इस फैसले ने ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश राज्य मामले (2004) में पहले के फैसले को खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि अनुच्छेद 341 के तहत

- अधिसूचित 'अनुसूचित जातियाँ' एक समरूप समूह बनाती हैं और उप-वर्गीकरण की अनुमति नहीं है।
- अनुसूचित जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण** अनुच्छेद 341(2) का उल्लंघन नहीं करता है, क्योंकि जातियों को सूची में शामिल या बाहर नहीं रखा गया है।
 - ऐतिहासिक और अनुभवजन्य साक्ष्य दर्शाते हैं कि** अनुसूचित जातियाँ सामाजिक रूप से विषम वर्ग हैं। इस प्रकार, राज्य, अनुच्छेद 15(4) और 16(4) के तहत अपनी शक्ति का प्रयोग करते हुए, अनुसूचित जातियों को आगे वर्गीकृत कर सकता है यदि (a) भेदभाव के लिए एक तर्कसंगत सिद्धांत है; और (b) तर्कसंगत सिद्धांत का उप-वर्गीकरण के उद्देश्य से संबंध है।

पक्ष में तर्क

- अनुसूचित जातियों के भीतर असमान पिछड़ापन:** अनुसूचित जातियों के समुदायों में कुछ जातियाँ दूसरों की तुलना में सामाजिक और शैक्षणिक रूप से अधिक पिछड़ी हैं और उनका लगातार कम प्रतिनिधित्व किया जाता रहा है।
 - असमान लोगों के साथ समान व्यवहार करना असमानता को बढ़ावा देता है, जो आरक्षण के उद्देश्य को विफल करता है।
- संवैधानिक जनादेश इसकी अनुमति देता है:** अनुच्छेद 15(4) और 16(4) राज्य को किसी भी सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग की उन्नति के लिए विशेष प्रावधान करने का अधिकार देता है।
 - प्रभावी प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देता है, न कि केवल संख्यात्मक: लक्ष्य प्रभावी प्रतिनिधित्व है, न कि केवल संख्या, उप-वर्गीकरण सार्थक समावेशन प्राप्त करने में मदद कर सकता है।
- अनुभवजन्य डेटा द्वारा समर्थित:** सरकार को सकारात्मक कार्रवाई को लक्षित करने की अनुमति देता है जहाँ इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।

विपक्ष में तर्क

- अनुच्छेद 341:** अनुच्छेद 341 केवल राष्ट्रपति को SC सूची में संशोधन करने की अनुमति देता है।

- राज्य द्वारा संचालित उप-वर्गीकरण को सूची में अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप और राज्य की शक्तियों से परे माना जाता है।
- समुदाय के भीतर विखंडन:** उप-कोटा SC के बीच जाति-आधारित विभाजन को बढ़ा सकता है।
 - यह SC समुदायों की सामूहिक राजनीतिक ताकत और सामाजिक एकजुटता को कमजोर कर सकता है।
- मानदंड परिभाषित करना:** SC के भीतर वंचितता के उद्देश्यपूर्ण, अनुभवजन्य उपाय स्थापित करना चुनौतीपूर्ण है।
 - गलत वर्गीकरण और कानूनी चुनौतियों का जोखिम।
- 'क्रीमी लेयर' की अवधारणा विमर्श को प्रस्तुत करता है:** SC के लिए 'क्रीमी लेयर' अवधारणा को पेश करना (जैसा कि कुछ न्यायाधीश सुझाव देते हैं) SC को समग्र रूप से प्रदान की गई सुरक्षा को कमजोर कर सकता है।
 - SC के लिए आरक्षण केवल आर्थिक पिछड़ेपन के बारे में नहीं है, बल्कि ऐतिहासिक भेदभाव और कलंक के बारे में है, जो आय समूहों में कायम है।

आगे का मार्ग

- राज्य अब SC/ST आरक्षण के भीतर उप-कोटा बना सकते हैं।
- यह राज्यों को SC/ST समूहों के भीतर आंतरिक असमानताओं को दूर करने के लिए अधिक स्वायत्ता देता है।
- हालाँकि, साक्ष्य और डेटा की सख्त आवश्यकताएँ कार्यान्वयन को जटिल बना सकती हैं।

Source: TH

भारत-रूस संबंध: राजनयिक संबंधों के 78 वर्ष

संदर्भ

- हाल ही में भारत में रूसी दूतावास ने भारत-रूस राजनयिक संबंधों की 78वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक जीवंत साइकिल रैली का आयोजन किया।

- यह रैली 1941-1945 के महान देशभक्तिपूर्ण युद्ध में रूस की जीत की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित की गई।

भारत-रूस संबंधों के बारे में

- ऐतिहासिक अवलोकन:**
 - 1947:** अगस्त 1947 में भारत को स्वतंत्रता मिलने से कुछ महीने पहले ही भारत और USSR ने राजनयिक संबंध स्थापित किए।
 - शीत युद्ध काल (1947-1991):** USSR भारत के लिए एक विश्वसनीय सहयोगी के रूप में उभरा, विशेषकर पश्चिमी शान्ति के समय में।
 - दोनों ने शांति, मित्रता और सहयोग की संधि (1971) पर हस्ताक्षर किए, जिसने रणनीतिक साझेदारी की नींव रखी।
 - 1991: सोवियत संघ के विघटन के बाद भारत ने रूसी संघ को मान्यता दी।
 - 1993:** मैत्री और सहयोग की संधि
 - 2000:** रणनीतिक साझेदारी की घोषणा
 - बहुआयामी सहयोग ढाँचा:** भारत और रूस एक विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी (2010) से बंधे हैं। पिछले कुछ वर्षों में, यह पारंपरिक सैन्य संबंधों से कहीं आगे बढ़ गया है, जिसमें आर्थिक, ऊर्जा, अंतरिक्ष और शैक्षिक सहयोग को एकीकृत किया गया है।

सहयोग के प्रमुख क्षेत्र

व्यापार और आर्थिक संबंध:

- द्विपक्षीय व्यापार:** 2024-25 में 60 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक; (2023-24 में 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर)।
 - रूस से मुख्य आयात:** कच्चा तेल, कोयला, उर्वरक और रक्षा उपकरण।
 - रूस को मुख्य निर्यात:** फार्मास्यूटिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, लोहा और इस्पात, चाय और कॉफी।
 - सामरिक और रक्षा सहयोग:** इसमें INS तुशील, S-400 ट्रायम्फ मिसाइल सिस्टम, INS विक्रमादित्य,

AK-203 राइफल, ब्रह्मोस मिसाइल, पनडुब्बी, टैक और विमान का उत्पादन शामिल है।

- सैन्य-तकनीकी सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग (IRIGC-MTC):** यह खरीद, सर्विसिंग और संयुक्त अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों का समन्वय करना जारी रखता है।
- राजनीतिक समर्थन और बहुपक्षीय मंच:**
 - वैश्विक मंचों पर समर्थन:** रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए अपना समर्थन दोहराया।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता

- UNSC संयुक्त राष्ट्र के छह प्रमुख निकायों में से एक है, जिसे 1945 में संयुक्त राष्ट्र चार्टर द्वारा स्थापित किया गया था। इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना है।
- UNSC में 15 सदस्य हैं, जिनमें पाँच स्थायी सदस्य हैं, जिनमें अमेरिका, रूस, फ्रांस, चीन और यूके शामिल हैं और 10 गैर-स्थायी सदस्य हैं जो दो साल के कार्यकाल के लिए चुने जाते हैं।
- भारत ने 2021 में आठवीं बार गैर-स्थायी सदस्य के रूप में UNSC में प्रवेश किया और दो साल यानी 2021-22 तक परिषद में रहा।

दोनों देश बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए ब्रिक्स, SCO और G20 में समन्वय करते हैं।

- रूस भारत की एक फार ईस्ट नीति और इंडो-पैसिफिक जुड़ाव का समर्थन करता है।

ऊर्जा सुरक्षा और परमाणु सहयोग:

- परमाणु ऊर्जा:** कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र, तमिलनाडु।
 - 2023-24 में, रूस भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार था, जो मुख्य रूप से रियायती तेल आयात (भारत के कच्चे तेल की टोकरी का 35% से अधिक) द्वारा संचालित था।
 - यह सऊदी अरब और इराक से आयात से अधिक होने की अपेक्षा है।

अंतरिक्ष और प्रौद्योगिकी भागीदारी:

- अंतरिक्ष सहयोग:** दोनों उपग्रह नेविगेशन और मानव अंतरिक्ष उड़ान में साझेदारी की खोज कर रहे हैं।
- सैटेलाइट नेविगेशन:** भारत और रूस ग्लोनास और नाविक इंटरऑपरेबिलिटी पर सहयोग करने के लिए सहमत हुए हैं।
- साइबर सुरक्षा और AI:** सहयोग के उभरते क्षेत्रों में डिजिटल परिवर्तन, AI-आधारित निगरानी और रक्षा तकनीक अनुसंधान एवं विकास शामिल हैं।

चिंताएँ और चुनौतियाँ

- भू-राजनीतिक दबाव:** भारत के क्षेत्रीय प्रतिवृद्धि चीन के साथ रूस के बढ़ते गठबंधन ने भारत में चिंताएँ बढ़ा दी हैं।
 - पश्चिमी देशों, विशेष रूप से अमेरिका के साथ भारत की रणनीतिक साझेदारी ने रूस के साथ उसके संबंधों में जटिलता की परतें जोड़ दी हैं।
 - रूस पर पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण भुगतान तंत्र एक चुनौती है, जो बैंकिंग चैनलों को प्रतिबंधित करता है।
- रक्षा उपकरणों में देरी:**
 - यूक्रेन संघर्ष और संबंधित प्रतिबंधों के कारण रूस द्वारा S-400 ट्रायम्फ वायु रक्षा प्रणाली की देरी से डिलीवरी ने भारतीय रक्षा हल्कों में चिंताएँ बढ़ा दी हैं।
 - रक्षा खरीद स्रोतों में विविधता लाने के भारत के प्रयास रूसी हथियारों पर उसकी निर्भरता को प्रभावित कर सकते हैं।

पूरक संघर्ष:

- यूक्रेन युद्ध पर भारत के तटस्थ रुख की पश्चिमी सहयोगियों द्वारा आलोचना की गई है, जबकि रूस को भारत से मजबूत समर्थन की सम्भावना है।
- संघर्ष ने वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं को भी बाधित किया है, जिससे द्विपक्षीय व्यापार प्रभावित हुआ है।

निष्कर्ष

- भारत और रूस के बीच कूटनीतिक संबंधों के 78 वर्ष पूरे हो रहे हैं, ऐसे में उनके रिश्ते रणनीतिक व्यावहारिकता के एक मजबूत उदाहरण के रूप में उभरे हैं।
- शीत युद्ध के दौर के सहयोगी से लेकर 21वीं सदी के रणनीतिक साझेदार बनने तक की यह यात्रा अनुकूलनशीलता, विश्वास और पारस्परिक लाभ को दर्शाती है।
- वैश्विक गतिशीलता में बदलाव के बावजूद, भारत-रूस संबंध व्यापार, प्रौद्योगिकी और रक्षा सहयोग में नई सीमाओं के साथ मजबूत बने रहने के लिए तैयार हैं।

Source: CSR Journal

डीएमएफ की दक्षता में सुधार के लिए कार्यक्रम प्रबंधन इकाई

संदर्भ

- खान मंत्रालय ने जिला खनिज फाउंडेशन की दक्षता में सुधार लाने और प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के सुचारू कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए एक कार्यक्रम प्रबंधन इकाई की स्थापना की घोषणा की।
 - पीएमयू केंद्र, राज्यों और डीएमएफ जिलों के बीच समन्वय की सुविधा प्रदान करेगा।

जिला खनिज फाउंडेशन क्या है?

- कानूनी प्रावधान:** खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) (एमएमडीआर) अधिनियम 1957 (2015 में संशोधित) की धारा 9बी के तहत गठित।
- प्रकृति:** खनन प्रभावित जिलों में स्थापित एक गैर-लाभकारी ट्रस्ट।
- उद्देश्य:** खनन से संबंधित गतिविधियों से प्रभावित व्यक्तियों और क्षेत्रों के हित और लाभ के लिए काम करना।
- स्थिति:** 23 राज्यों के 645 जिलों में डीएमएफ की स्थापना की गई है।

- वित्त पोषण:
- खनन पट्टाधारकों द्वारा योगदान:
 - 2015 के बाद दिए गए पट्टों के लिए रॉयल्टी का 30%
 - निधि जिला स्तर पर जमा की जाती है और भारत के समेकित कोष में स्थानांतरित नहीं की जाती है।
 - एकत्रित राशि क्षेत्र-आधारित विकास के लिए है, सामान्य बुनियादी ढाँचे के लिए नहीं।

निधि उपयोग दिशानिर्देश (पीएमकेकेवाई के माध्यम से)

- प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के बारे में: प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना (पीएमकेकेवाई) को 2015 में लॉन्च किया गया था और 2024 में आकांक्षी जिलों और ब्लॉक कार्यक्रम के लिए डीएमएफ फंड के उपयोग का मार्गदर्शन करने के लिए संशोधित किया गया था।
- उद्देश्य: खनन के नकारात्मक प्रभावों को कम करना और प्रभावित लोगों को स्थायी आजीविका प्रदान करना।
- निधि आवंटन: 70% निधियों का उपयोग पेयजल, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, महिला और बाल कल्याण जैसे उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए किया जाना चाहिए।
 - 30% निधियों का उपयोग सड़क, पुल और बिजली जैसे बुनियादी ढाँचे के समर्थन के लिए किया जा सकता है।

डीएमएफ-पीएमकेकेवाई मॉडल का महत्त्व

- रणनीतिक निधि उपयोग: यह सुनिश्चित करता है कि खनन निधि (DMF) का उपयोग PMKKY दिशा-निर्देशों के आधार पर स्थानीय विकास के लिए योजनाबद्ध तरीके से किया जाए।
- सामुदायिक कल्याण फोकस: यह खनन गतिविधियों से प्रभावित समुदायों के जीवन और कल्याण को बेहतर बनाने को प्राथमिकता देता है।
- बेहतर शासन: यह खनन राजस्व को स्थानीय स्तर पर प्रबंधित करने और खर्च करने के तरीके में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देता है।

- सतत विकास लक्ष्य: यह खनन और दीर्घकालिक सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय कल्याण के बीच संतुलन को प्रोत्साहित करता है।
- जमीनी स्तर पर शासन: समुदाय के नेतृत्व वाली योजना और नीचे से ऊपर तक शासन के लिए एक टेम्पलेट प्रदान करता है।

चिंताएँ

- खर्च न किए गए फंड: कमज़ोर प्रशासनिक क्षमता और खराब परियोजना निष्पादन के कारण एकत्रित किए गए फंड का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अप्रयुक्त रह जाता है।
- गलत आवंटन: फंड प्रायः मुख्य कल्याण क्षेत्रों के बजाय सामान्य बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं (जैसे सड़कें और प्रशासनिक भवन) पर व्यय किए जाते हैं।
- शासन के मुद्दे: डीएमएफ प्रायः जिला कलेक्टर के नियंत्रण में कार्य करते हैं, जिसमें स्थानीय समुदायों की न्यूनतम भागीदारी होती है।
- खराब योजना: कोई संरचित वार्षिक कार्य योजना नहीं।

आगे बढ़ने का मार्ग

- ग्राम सभाओं और स्थानीय समुदायों को निर्णय लेने में सशक्त बनाना।
- पारदर्शिता के लिए तीसरे पक्ष के ऑडिट और सामाजिक ऑडिट लागू करना।
- बेहतर निधि उपयोग के लिए जिला स्तरीय संस्थानों की क्षमता का निर्माण करना।
- स्थानीय आवश्यकताओं और आधारभूत डेटा के आधार पर वार्षिक विकास योजनाओं को अनिवार्य बनाना।

Source: ET

IIGC ने प्रभावशाली सामग्री के लिए व्यापक कोड जारी किया

समाचार में

- हाल ही में, इंडिया इन्फ्लुएंसर गवर्नेंस काउंसिल (IIGC) ने भारत के बढ़ते इन्फ्लुएंसर समुदाय के लिए एक मानक संहिता जारी की है।

- यह कदम हाल ही में हुए विवादों के बाद उठाया गया है, जिसमें यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया की टिप्पणियों के बाद सरकार की कार्रवाई और निवेशकों को गुमराह करने वाले इन्फ्लुएंसरों पर चिंता शामिल है।

प्रभावशाली व्यक्ति कौन हैं?

- इन्फ्लुएंसर डिजिटल सामग्री निर्माता होते हैं जो सामाजिक प्लेटफॉर्म (इंस्टाग्राम, यूट्यूब, आदि) पर अपनी पहुँच का उपयोग राय, जीवन शैली और खरीद निर्णयों को आकार देने के लिए करते हैं।

भारत में स्थिति

- इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग प्लेटफॉर्म Qoruz के अनुसार, भारत में इन्फ्लुएंसर की संख्या 2020 में 1 मिलियन से कम से बढ़कर 2025 में 4 मिलियन से अधिक हो गई है।
- इस वृद्धि को चलाने वाली शीर्ष श्रेणियाँ फैशन, गेमिंग और कला और मनोरंजन हैं।
- फैशन में 470,000 इन्फ्लुएंसर हैं, इसके बाद गेमिंग (467,000) और कला और मनोरंजन (430,000) का स्थान है।
- ये इन्फ्लुएंसर, जिनमें से प्रत्येक के 1,000 से अधिक इंस्टाग्राम फॉलोअर्स हैं, अपने दर्शकों को बेहतर ढंग से जोड़ने के लिए विशिष्ट सामग्री बनाते हैं।
- भारत में इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग उद्योग के 2024 में ₹2,344 करोड़ से बढ़कर 2026 तक ₹3,375 करोड़ तक पहुँचने का अनुमान है।
- यह क्षेत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 5 ट्रिलियन डॉलर की भारतीय अर्थव्यवस्था को प्राप्त करने में सहायता करने के लिए क्रिएटर अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण के अनुरूप भी है।

वृद्धि के कारण

- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की विस्फोटक वृद्धि और शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में इंटरनेट की बढ़ती पहुँच ने प्रभावशाली लोगों की संख्या में वृद्धि में योगदान दिया है।
- किफायती स्मार्टफोन और डेटा प्लान की वृद्धि, विशेष रूप से गैर-महानगरीय क्षेत्रों में (जो उपयोगकर्ता आधार

- का 65% हिस्सा बनाते हैं), ने सामग्री की खपत को तेज़ कर दिया है और विविध पृष्ठभूमि के व्यक्तियों को ऑनलाइन प्रभाव प्राप्त करने में सक्षम बनाया है।
- ब्रांड उन्हें न केवल एंडोर्सर के रूप में बल्कि रणनीतिक साझेदारों के रूप में देख रहे हैं जो प्रामाणिक, प्रभावशाली सामग्री प्रदान करते हैं।

इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग को विनियमित करने की आवश्यकता

- मुद्रीकृत सामग्री में उछाल:** प्रकटीकरण की कमी व्यक्तिगत राय और विज्ञापन के बीच की रेखा को धुंधला कर देती है।
- उपभोक्ता संरक्षण:** स्वास्थ्य, वित्त या उत्पाद प्रभावकारिता के बारे में गलत जानकारी दर्शकों को गुमराह कर सकती है।
- डेटा गोपनीयता चिंताएँ:** दर्शकों के डेटा और वृद्धि किए गए मेट्रिक्स का दुरुपयोग पारदर्शिता को हानि पहुँचाता है।
- उभरते हुए AI इन्फ्लुएंसर:** डीपफेक और गैर-मानव इन्फ्लुएंसर नई नैतिक दुविधाएँ उत्पन्न करते हैं।
- सुभेद्य दर्शक:** बच्चों और किशोरों को असुरक्षित प्रवृत्तियों और सामग्री से खतरा है।

आईआईजीसी मानक संहिता के प्रमुख प्रावधान

- सशुल्क भागीदारी:** इन्फ्लुएंसर्स को वित्तीय समझौतों, सहबद्ध विपणन आयोगों आदि सहित ब्रांड के साथ “किसी भी प्रकार की भौतिक भागीदारी” का खुलासा करना आवश्यक है।
- AI इन्फ्लुएंसर्स:** कोड में AI इन्फ्लुएंसर्स को भी मानवों की तरह ही समान दिशा-निर्देशों का पालन करने की आवश्यकता होती है, साथ ही एक अतिरिक्त अस्वीकरण उनके गैर-मानवीय स्वभाव को प्रकट करता है।
 - यह वास्तविक लोगों से मिलते-जुलते AI इन्फ्लुएंसर्स बनाने के लिए डीपफेक तकनीक के उपयोग को भी प्रतिबंधित करता है।

- **ब्रांड संबंध:** इन्फलुएंसर्स को ऐसे उत्पादों या ब्रांडों का समर्थन करने से प्रतिबंधित किया जाता है जिनका वे वास्तव में समर्थन नहीं करते हैं या एक साथ प्रतिस्पर्धी ब्रांडों के साथ काम करते हैं।
 - यह प्रामाणिकता पर जोर देता है और भ्रामक समर्थन से बचता है।
- **डिफ्लुएंस:** कोड डिफ्लुएंस को किसी ब्रांड, उत्पाद या सेवा के बारे में सार्वजनिक रूप से आलोचना करने या नकारात्मक बोलने के कार्य के रूप में परिभाषित करता है।
 - इसमें इन्फलुएंसर्स को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता होती है कि उनकी आलोचना ईमानदार, सटीक और व्यक्तिगत हमलों से मुक्त हो।
- **भेदभाव-विरोधी:** कोड इन्फलुएंसर मार्केटिंग में स्पष्ट और निहित भेदभावपूर्ण सामग्री दोनों को प्रतिबंधित करता है, जिसमें सामग्री को समावेशी और सभी पहचानों का सम्मान करने की आवश्यकता होती है।
- **बच्चों के लिए सुरक्षित सामग्री:** प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा बनाई गई सामग्री बच्चों के लिए सुरक्षित, सकारात्मक और उपयुक्त होनी चाहिए।
 - यह प्रभावशाली व्यक्तियों की जिम्मेदारी को उजागर करता है, खासकर जब उनकी सामग्री को युवा दर्शकों द्वारा देखा जा सकता है।
 - **यौन सामग्री और नमनता:** कोड प्रभावशाली व्यक्तियों से सेक्स से संबंधित सामग्री को “जिम्मेदारी और संवेदनशीलता” के साथ संभालने के लिए कहता है। जबकि इन विषयों पर चर्चा शैक्षिक, कलात्मक या स्वास्थ्य संबंधी संदर्भों में उचित हो सकती है, लेकिन उनका उपयोग ऐसे तरीके से नहीं किया जाना चाहिए जो शोषणकारी, अनुचित हो या सामुदायिक मानकों का उल्लंघन करता हो।
- **शिकायत मंच:** IIGC के तहत एक उपभोक्ता शिकायत मंच स्थापित किया गया है।
 - यह प्रभावशाली व्यक्तियों की सामग्री और कोड के संभावित उल्लंघन से संबंधित शिकायतों को संबोधित करने के लिए एक तंत्र प्रदान करता है।

निष्कर्ष और आगे का मार्ग

- भारत की प्रभावशाली अर्थव्यवस्था डिजिटल युग में प्रामाणिकता, विश्वास और व्यक्तिगत संबंधों से प्रेरित होकर फल-फूल रही है। जैसे-जैसे उद्योग विकसित होता है, यह प्रभावशाली लोगों, ब्रांडों और सामग्री उपभोक्ताओं के लिए रोमांचक अवसर प्रस्तुत करता है, साथ ही आर्थिक विकास और व्यक्तिगत सशक्तिकरण में भी योगदान देता है।
- प्रभावशाली पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत नीतियों, प्लेटफॉर्म समर्थन और प्रामाणिक कहानी कहने पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

Source :ET

क्यू-शील्ड महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे की सुरक्षा के लिए उद्यमों को सशक्त बना रहा है

संदर्भ

- राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के तहत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) द्वारा चयनित स्टार्टअप्स में से एक क्यूएनयू लैब्स ने दुनिया का प्रथम और अनूठा प्लेटफॉर्म क्यू-शील्ड लॉन्च किया है।

क्यू-शील्ड के बारे में

- यह उद्यमों को उनके महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे की सुरक्षा करने में सक्षम बनाता है।
- यह क्लाउड, ॲन-प्रिमाइसेस या हाइब्रिड सहित किसी भी वातावरण में सहज क्रिप्टोग्राफी प्रबंधन को भी सक्षम बनाता है।
 - क्रिप्टोग्राफी जानकारी को छिपाने या कोड करने की प्रक्रिया है ताकि केवल वह व्यक्ति ही इसे पढ़ सके जिसके लिए संदेश भेजा गया था।
- **QShield** पारगमन और आराम में संवेदनशील डेटा को सुरक्षित करने के लिए एक एंड-टू-एंड समाधान प्रदान करता है।
- **QNu Labs** क्वांटम-सुरक्षित समाधानों के साथ साइबर सुरक्षा में क्रांति ला रहा है, जो भारत को क्वांटम क्रिप्टोग्राफी में वैश्विक नेता के रूप में स्थापित कर रहा है।

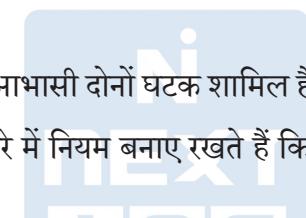
- इस प्लेटफॉर्म का लॉन्च क्वांटम तकनीक में वैश्विक नेतृत्व की ओर भारत की यात्रा में एक और कदम जोड़ता है।

विश्व क्वांटम दिवस

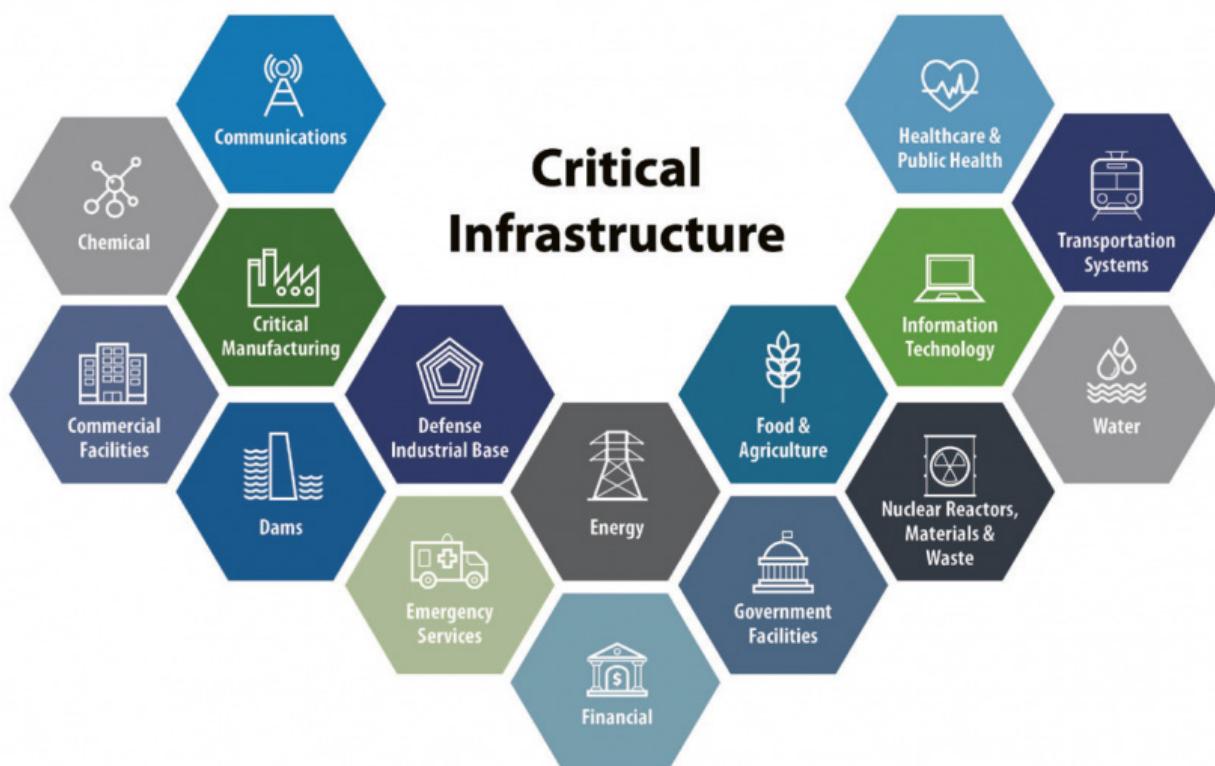
- क्यू-शील्ड को विश्व क्वांटम दिवस के अवसर पर लॉन्च किया गया।
 - विश्व क्वांटम दिवस पहली बार 2021 में मनाया गया था और इसे मूल रूप से दुनिया भर के वैज्ञानिकों द्वारा एक विकेंद्रीकृत पहल के रूप में शुरू किया गया था।
 - तारीख '4.14' (14 अप्रैल) को 4.14 के संदर्भ के रूप में चुना गया था, जो प्लैनेक स्थिरांक का पूर्णांक के रूप में पहला अंक है - $4.13567 \times 10^{-15} \text{ eV} \cdot \text{sl}$
- संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2025 को क्वांटम विज्ञान और प्रौद्योगिकी का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष (IYQST) घोषित किया गया है।
 - यह क्वांटम यांत्रिकी के आधारभूत विकास की एक शताब्दी की स्मृति में मनाया जाता है।

महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा

- यह उन प्रणालियों, सुविधाओं और परिसंपत्तियों को संदर्भित करता है जो समाज और अर्थव्यवस्था के कामकाज के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- इन बुनियादी ढाँचे को आवश्यक माना जाता है क्योंकि उनके विघटन से सार्वजनिक सुरक्षा, सुरक्षा और स्वास्थ्य या आर्थिक स्थिरता प्रभावित होगी।
- महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे में भौतिक और आभासी दोनों घटक शामिल हैं जो परस्पर जुड़े हुए हैं और एक दूसरे पर निर्भर हैं।
- अधिकांश देश और शासी निकाय इस बारे में नियम बनाए रखते हैं कि महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे का प्रबंधन कैसे किया जाना चाहिए।



Critical Infrastructure



क्वांटम यांत्रिकी

- यह भौतिक सिद्धांत का मूलभूत अध्ययन है जो परमाणु और उप-परमाणु स्तरों पर पदार्थ और प्रकाश के व्यवहार से संबंधित है।
- क्वांटम यांत्रिकी का क्षेत्र 20वीं शताब्दी की शुरुआत में मैक्स प्लैंक, अल्बर्ट आइंस्टीन, नील्स बोहर और एर्विन श्रोडिंगर जैसे वैज्ञानिकों के योगदान के साथ शुरू हुआ।
- क्वांटम यांत्रिकी ने कई तकनीकी प्रगति की नींव रखी।

राष्ट्रीय क्वांटम मिशन

- सरकार ने 2023-24 से 2030-31 तक के लिए 2023 में NQM को मंजूरी दी।

उद्देश्य:

- वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना, उसका पोषण करना और उसे आगे बढ़ाना तथा क्वांटम प्रौद्योगिकी (QT) में एक जीवंत और अभिनव पारिस्थितिकी तंत्र बनाना।
- यह QT आधारित आर्थिक विकास को गति देगा, देश में पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण करेगा और भारत को क्वांटम प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग (QTA) के विकास में अग्रणी देशों में से एक बनाएगा।
- मिशन के उद्देश्यों में सुपरकंडक्टिंग और फोटोनिक प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न प्लेटफार्मों में 8 वर्षों में 50-1000 भौतिक क्यूबिट के साथ मध्यवर्ती-स्तरीय क्वांटम कंप्यूटर विकसित करना शामिल है।

महत्व:

- NQM में देश के प्रौद्योगिकी विकास पारिस्थितिकी तंत्र को वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के स्तर तक बढ़ाने की क्षमता है।
- मिशन से संचार, स्वास्थ्य, वित्तीय, ऊर्जा, औषधि डिजाइन, अंतरिक्ष, बैंकिंग, सुरक्षा आदि क्षेत्रों में अनुप्रयोगों सहित विभिन्न क्षेत्रों को बहुत लाभ होगा।
- मिशन डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्किल

इंडिया और स्टैंड-अप इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और सतत विकास लक्ष्यों (एमडीजी) जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को भी भारी बढ़ावा देगा।

Source: AIR

संक्षिप्त समाचार

मोराग एक्सिस

संदर्भ

- इजराइल ने घोषणा की है कि उसकी सेना ने मोराग अक्ष के नाम से जाने जाने वाले एक नए सुरक्षा गलियारे पर कब्जा कर लिया है।

बारे में

- यह गाजा के दक्षिणी शहरों राफा और खान यूनिस के बीच से होकर गुजरता है।
- यह कदम मिस्र की सीमा के साथ फिलाडेल्फी रूट को मोराग से प्रभावी रूप से जोड़ता है, जिससे एक व्यापक इजरायल-नियंत्रित “सुरक्षा क्षेत्र” बनता है।
- मोराग कॉरिडोर इजरायल के नियंत्रण में अन्य प्रमुख क्षेत्रों से जुड़ता है, जिसमें फिलाडेल्फी और नेटज़ारिम गलियारे शामिल हैं।



Source: UN Ocha, 2023

BBC

- फिलाडेल्फी कॉरिडोर मिस के साथ गाजा की सीमा पर भूमि की एक संकीर्ण पट्टी को संदर्भित करता है जो 2024 से इजरायल के नियंत्रण में है।
- विस्तारित बफर ज़ोन के साथ, ये इजराइल को गाजा के 50% से अधिक क्षेत्र पर नियंत्रण देते हैं।

Source: LM

पारंपरिक फसल उत्सव

संदर्भ

- 13 और 14 अप्रैल को देश के विभिन्न भागों में पारंपरिक फसल उत्सव मनाया गया।

फसल उत्सव

- बैसाखी सौर कैलेंडर और फसल के मौसम की शुरुआत का प्रतीक है, जिसे मुख्य रूप से पंजाब में मनाया जाता है।
 - बैसाखी आमतौर पर 13 अप्रैल या 14 अप्रैल को मनाई जाती है।
 - हिंदू कैलेंडर के अनुसार, यह दिन वैशाख महीने के पहले दिन मनाया जाता है।
- यह दिन पूरे भारत में कई अन्य क्षेत्रीय वसंत त्योहारों के साथ भी सुसंगत है जो फसल के मौसम की शुरुआत का उत्सव मनाते हैं।
- इनमें ओडिशा में पाना संक्रांति, पश्चिम बंगाल में पोइला/पोहेला बैसाख, असम में रोंगाली बिहू, तमिलनाडु में पुथंडू, बिहार में वैशाखी और केरल में विशु या पूराम विशु शामिल हैं।
- जबकि प्रत्येक त्यौहार अपने स्वयं के अनूठे रीति-रिवाजों और परंपराओं का पालन करता है, वे सभी कृतज्ञता और नई शुरुआत की एक समान भावना साझा करते हैं।

Source: AIR

डब्ल्यूएचओ ने मेनिनजाइटिस पर पहली बार दिशानिर्देश जारी किए

समाचार में

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मेनिनजाइटिस के निदान, उपचार और देखभाल के लिए अपने पहले

व्यापक दिशानिर्देश जारी किए हैं, जो 2020 में शुरू किए गए 2030 तक मेनिनजाइटिस को हराने के वैश्विक रोडमैप के तहत अपने व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।

मेनिनजाइटिस के बारे में

- परिभाषा:** मेनिनजाइटिस मेनिन्जेस की सूजन को संदर्भित करता है - मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी को ढकने वाली सुरक्षात्मक ज़िल्ली।
- सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता:** यह एक प्रमुख वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरा बना हुआ है, खासकर शिशुओं, छोटे बच्चों और किशोरों के लिए।

कारण और प्रकार:

- संक्रामक मेनिनजाइटिस:** रोगजनकों के कारण होता है जैसे:
 - बैक्टीरिया:** निसेरिया मेनिंगिटिडिस (मेनिंगोकोकस), स्ट्रेप्टोकोकस न्यूमोनिया (न्यूमोकोकस), हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा
 - वायरस:** एंटरोवायरस, हर्पीज़ सिम्प्लेक्स वायरस, आदि।
 - कवक:** क्रिप्टोकोकस प्रजाति
 - परजीवी:** कम आम तौर पर शामिल, लेकिन प्रतिरक्षाविहीन व्यक्तियों में संभव है।
 - गैर-संक्रामक मेनिनजाइटिस:** निम्न स्थितियों से उत्पन्न हो सकता है: ऑटोइम्यून विकार, कुछ दवाएँ और कैंसर आदि।
 - संचरण:** सबसे अधिक बार श्वसन बूंदों, श्वसन स्राव के साथ सीधे संपर्क या करीबी व्यक्तिगत संपर्क के माध्यम से फैलता है।

रोकथाम और उपचार:

- मेनिंगोकोकल रोग, न्यूमोकोकल रोग और हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी (एचआईबी) के लिए प्रभावी टीके मौजूद हैं।
- एंटीबायोटिक्स:** बैक्टीरियल मैनिनजाइटिस में शीघ्र प्रशासन महत्वपूर्ण है।

Source: TH

जीपीएस स्पूफिंग

संदर्भ

- हाल ही में, पिछले महीने के अंत में भूकंप प्रभावित म्यांमार में राहत सामग्री ले जा रहे भारतीय वायु सेना के परिवहन विमान को “जीपीएस स्पूफिंग” का सामना करना पड़ा।

परिचय

- जीपीएस (ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम) स्पूफिंग को साइबर हमले का एक रूप माना जा सकता है जिसमें विमान को गुमराह करने के लिए गलत जीपीएस सिग्नल उत्पन्न करना शामिल है।
- गलत सिग्नल के कारण नेविगेशन उपकरण गुमराह हो जाते हैं, जिससे विमान को काफी खतरा हो सकता है।
- इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के लिए अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम पर अत्यधिक निर्भरता के कारण, साइबर हमले ने सुरक्षा संबंधी चिंताओं को जन्म दिया है।
- भले ही आधुनिक विमानों में बैकअप सिस्टम होते हैं, लेकिन ऐसी घटनाएँ सैन्य और मानवीय अभियानों में सतर्कता बढ़ाने और अधिक मजबूत रक्षा की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं।

Source: TH

कुनो पार्क से गांधी सागर में चीतों को स्थानांतरित किया जाएगा

समाचार में

- चीता परियोजना संचालन समिति ने कुनो राष्ट्रीय उद्यान से कुछ चीतों को लगभग 300 किलोमीटर दूर मध्य प्रदेश के गांधी सागर बन्यजीव अभयारण्य में स्थानांतरित करने को मंजूरी दी है।
- इस कदम का उद्देश्य मध्य प्रदेश और राजस्थान में फैले कुनो-गांधी सागर परिवृत्त्य में 60-70 चीतों की मेटापॉपुलेशन स्थापित करना है।
- प्रोजेक्ट चीता इसकी शुरुआत 2022 में नामीबिया से 8 और दक्षिण अफ्रीका से 12 चीतों के साथ हुई थी।

हालाँकि, तब से 8 वयस्क चीते और 5 शावक मर चुके हैं।

- इसे राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA), पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) के तहत एक वैधानिक निकाय द्वारा मध्य प्रदेश वन विभाग, भारतीय बन्यजीव संस्थान (WII) और नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका के चीता विशेषज्ञों के सहयोग से कार्यान्वित किया जा रहा है।

क्या आप जानते हैं?

- चीता दुनिया के सबसे तेज स्थलीय जीव हैं, जो 60-70 मील प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ते हैं, जिसमें उनकी पतली बनावट, लंबे अंग, लंबी पूँछ और संतुलन और खिंचाव के लिए अर्ध-वापस लेने योग्य पंजे सहायक होते हैं।
- अफ्रीका और एशिया में ऐतिहासिक रूप से व्यापक रूप से फैले चीते अब अपने मूल क्षेत्र के केवल 10% हिस्से पर ही रहते हैं, मुख्य रूप से दक्षिणी और पूर्वी अफ्रीका में, ईरान में गंभीर रूप से लुप्तप्राय आबादी के साथ।
- भारत में चीता को 1952 में विलुप्त घोषित कर दिया गया था।
- कुनो में चीता की स्थिति:** कुनो में 26 चीतों में से 17 जंगल में हैं, और 9 बाड़ों में हैं। यह अभी तय नहीं हुआ है कि किस समूह को स्थानांतरित किया जाएगा।

गांधी सागर बन्यजीव अभयारण्य के बारे में

- भारत के मध्य प्रदेश के पूर्वी भाग में स्थित है।
- चंबल नदी पर गांधी सागर बांध के जलग्रहण क्षेत्र में स्थित है। चंबल नदी अभयारण्य से होकर बहती है।
- यह खटियार-गिर शुष्क पर्णपाती वन पारिस्थितिक क्षेत्र से संबंधित है, जो अपनी मिश्रित शुष्क पर्णपाती वनस्पतियों के लिए जाना जाता है।
- चतुर्भुज नाला शैलाश्रयों का आवास स्थल, जो प्रागैतिहासिक गुफा चित्रों और पुरातात्त्विक प्रासंगिकता के लिए जाना जाता है।

Source :IE

मेथामफेटामाइन जब्त

समाचार में

- गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) और भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने भारत-पाकिस्तान समुद्री सीमा के पास अरब सागर से 1,800 करोड़ रुपये मूल्य की 311 किलोग्राम मेथामफेटामाइन जब्त की।

मेथामफेटामाइन

- यह प्रयोगशाला में निर्मित (सिंथेटिक) उत्तेजक है जिसे “आइस” या “क्रिस्टल मेथ” के नाम से भी जाना जाता है।
- यह एक अत्यधिक नशे की आदत वाली मनोरंजक दवा है जो शक्तिशाली उत्साहवर्धक प्रभाव प्रदर्शित करती है।
- यह अल्पकालिक उत्साह, सतर्कता और ऊर्जा का कारण बनती है, लेकिन व्यामोह, चिंता, हृदय की समस्याओं, स्ट्रोक या मृत्यु जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण भी बन सकती है।
 - लंबे समय तक उपयोग से अनिद्रा, स्मृति हानि, आदत और अन्य स्वास्थ्य जटिलताएँ हो सकती हैं।

Source: TH

खेलो इंडिया यूथ गेम्स (KIYG) 2025

समाचार में

- बिहार 4 से 15 मई तक पटना, गया, राजगीर, बेगूसराय और भागलपुर सहित कई शहरों में खेलो इंडिया यूथ गेम्स (केआईवाईजी) 2025 के 7वें संस्करण की मेज़बानी करने जा रहा है।
 - 7वें संस्करण का शुभंकर “गजसिंह” - जो हाथी की शक्ति और शेर के दिल का प्रतीक है - पाल राजवंश की नक्काशी से प्रेरित है।

पृष्ठभूमि

- खेलो इंडिया को 2017 में लॉन्च किया गया था और यह युवा, विश्वविद्यालय, पैरा और शीतकालीन खेलों के माध्यम से भारत में जमीनी स्तर के खेलों को बढ़ावा देता है, जिससे देश भर में युवा एथलेटिक प्रतिभाओं को बढ़ावा मिलता है।

Types of Khelo India Games

- खेलो इंडिया अभियान के अंतर्गत चार प्रमुख कार्यक्रम हैं:
 - खेलो इंडिया यूथ गेम्स (KIYG)** – स्कूल और जूनियर एथलीटों के लिए
 - खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (KIUG)** – यूनिवर्सिटी स्तर के एथलीटों के लिए
 - खेलो इंडिया पैरा गेम्स (KIPG)** – पैरा-एथलीटों के लिए
 - खेलो इंडिया विंटर गेम्स (KIWG)** – विंटर स्पोर्ट्स के शौकीनों के लिए

खेलो इंडिया यूथ गेम्स (KIYG) 2025

- यह युवा मामले और खेल मंत्रालय का एक प्रमुख आयोजन है।
- इस प्रमुख खेल आयोजन में 8,500 से अधिक एथलीट भाग लेंगे, जो राष्ट्रीय खेलों के बाद दूसरे स्थान पर है। खेलों में लगभग 27 खेल शामिल होंगे, जिनमें वॉलीबॉल, फुटबॉल, मुक्केबाजी, कबड्डी जैसे लोकप्रिय खेल और मलखंभ और सेपक टकराव जैसे स्वदेशी खेल शामिल हैं।

Source: AIR

